C M Y K

साप्ताहिक

Title Code:- MPHIN/36648

नर्मदा समय

संपादकः- प्रताप सिंह वर्मा

वर्ष : 01 अंक : 03 | इटारसी , सोमवार 26 दिसम्बर से 01 जनवरी-2023 | पृष्ठ : 0 8 मूल्य : 0 5 रुपए

22वाँ अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ

सरकार और समाज दोनों को शराबबंदी के लिए अभियान चलाना होगाः उमा भारती

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

भोपाल। स्थान मानस भवन पॉलीटेक्निक चोराहा भोपाल मै आयोजित लोधी लोधा लोध सामाजिक कल्याण संगठन द्वारा 22 वाँ अखिल भारतीय युवा युवती परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें लगभग 500 के करीब रजिस्ट्रेशन हुए एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती रही उन्होंने इस दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि मैंने एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह ने राम जन्मभमि आंदोलन को खड़ा किया था। इसके बाद मध्यपदेश एवं उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने मैं हम दोनों की प्रथम भागीदारी रही थी। मंच से उन्होंने शराबबंदी की मांग को उठाते हुए कहा कि सरकार और समाज दोनों को शराबबंदी के लिए अभियान चलाना होगा। इसके लिए समाज की महिलाओं एवं पुरुषों को कृत संकल्पित होकर विरोध करना होगा। विशिष्ट अतिथि

विश्वास सारंग मंत्री मध्यप्रदेश शासन, प्रधुम्न सिंह अध्यक्ष खाद्य निगम विधायक बड़ा मलहरा, रामेश्वर शर्मा विधायक भोपाल, तरवर सिंह लोधी विधायक बंडा, प्रहलाद लोधी विधायक पवई, कोक सिंह नरवरिया पूर्व अध्यक्ष खनिज विकास निगम एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मध्य प्रदेश लोधा लोधी लोध महासभा संगठन के अध्यक्ष एल आर पटेल द्वारा स्वागत भाषण किया गया। साथ ही राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष महासभा कांति पटेल एवं मध्यप्रदेश की कार्यकारी महिला अध्यक्ष महासभा कमलेश वर्मा द्वारा महिलाओं का सम्मान किया गया। राहुल लोधी अध्यक्ष जिला लोधी महासभा एवं महामंत्री मध्य प्रदेश महासभा विजय सिंह पडेरिया द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम मैं विशिष्ट अतिथि के रूप में मालती राय महापौर भोपाल उपस्थित रहीं जिनका समिति की महिलाओं द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जालम सिंह जी पूर्व मंत्री विधायक एवं अध्यक्ष मध्य प्रदेश लोधी लोधा लोधी महासभा द्वारा की गई। इस अवसर पर अन्य राज्यों से सैकड़ों की संख्या में युवा युवती और परिजन उपस्थित हुए। इस अवसर पर परिचय सम्मेलन की संस्कार पत्रिका का विमोचन किया गया एवं कार्यक्रम में पधारे हुए सभी व्यक्तियों का स्वागत अखिल भारतीय लोधी कर्मचारी संघ भोपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की पूर्ण तैय्यारी महिला सदस्यों व्दारा की गई। इस अवसर पर संपूर्ण भारत वर्ष से सामाजिक बंधुओं की शिरकत हुई।

रन नर्मदापुरम रन 2022 में छोटे बच्चों के साथ दिव्यांग भी हुए शामिल

नर्मदा समय, प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। रविवार को सुबह 8 बजे अतुल्यम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रन नर्मदापुरम रन 2022 पुरुष वर्ग में युवा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शक्ति धाकड़ रायसेन से द्वितीय स्थान पर हरिओम प्रजापति पिपरिया से। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पूजा पटेल भोपाल से एवं द्वितीय स्थान पर रोशनी पूसाम बालाघाट एवम 16 से कम आयु वाले बच्चों में प्रथम स्थान पर जयनारायण एवं द्वितीय स्थान पर चिराग गौर सिवनी मालवा 16 से कम आयु वाले बच्चों में महिला वर्ग में स्वाति केवट पथोड़ा 13 वर्ष एवं दूसरे स्थान पर कसक गौर सिवनी मालवा 15 वर्ष की आयु। 45 उम्र से अधिक कैटेगरी में केएन त्रिपाठी प्रथम (पुरुष) एवं पूजा मालवी प्रथम (महिला) आए। इसी तरह 5 किलोमीटर सिटी क्रॉस रन में 350 से अधिक सहभागी ने हिस्सा लेकर स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ नर्मदापुरम की शपथ ली। इससे नर्मदापुरम में युवाओं के अंदर व्यायाम एवं खेल के प्रति जागरूकता देखने मिली। इस दौड़ में छोटे-छोटे बच्चों के साथ मुख्य बात तो रही की एक दिव्यांग ने भी व्हील चेयर से दौड़ में भाग लेकर अपने हौसला को दिखाया। इस प्रतियोगिता में शामिल हुए धावकों का हौसला बढ़ाने सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी आध्या तिवारी भी दौड़ में शामिल हुई।

यह 5 किलोमीटर की दौड़ पुलिस ग्राउंड से प्रारंभ होकर मीनाक्षी चौक, सातरास्ता, जयस्तंभ चौक, सराफा चौक, गांधी चौक, सर्किट हाउस चौराहा, कोठी बाजार, कलेक्ट्रेट एसपी बंगला होते हुए वापस पुलिस ग्राउंड में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.अतुल सेठा , समीर दाद द्वारा किया गया। जिसमें संजय यदुवंशी द्वारा 100 मीटर तेज दौड़ में भाग लेने वाले सभी धावकों को बताया कि किस प्रकार तेज दौड़ में दौड़ा जाता है एवं दौड़ की जानकारी दी वह निर्णायक के रूप में भी उपस्थित रहे। अतुल्यम वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक तन्मय करैया द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समीर दाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आचार्य पंडित सोमेश परसाई उपस्थित रहें। इनके साथ आध्या तिवारी एवं जोएल चेरियन बिल कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अतुल्यम वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष भरत भदौरिया, उपाध्यक्ष कुश खंडेलवाल, सचिव कीरित पाठक, सह सचिव शिखर रावत, शुभम राजपूत, राघव, शशांक, नयन, अमित, रोशन, रजत,अंकित सैनी, योगेश, शानू, प्रतीक चौकसे, अंश चौकसे, आयुष, अथर्व, आशुतोष, गुनगुन, प्रिया, श्वेता, गौरी, शिवानी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

C M Y K

संपादकीय

न्याय बनाम अन्याय

अदालतों में बैठे न्यायाधीश तथ्यों, तर्कों और सबूतों के आधार पर मामले में फैसला सुनाते हैं और उम्मीद की जाती है कि सही पक्ष को इंसाफ मिलेगा। लेकिन अगर खुद न्यायिक अधिकारी ही सबूत पेश करने के मामले में गड़बड़ी करने लगें और उसके आधार पर फैसला सुनाने लगें तो इससे न्याय की उम्मीद धूमिल होती है, न्यायालयों पर से भरोसा कम होता है। लक्षद्वीप के एक पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का जैसा आचरण सामने आया, वह न केवल न्याय की अवधारणा को खंडित, बल्कि हैरान करता है कि अगर न्यायिक अधिकारी गलत सबूत पेश करके मुकदमे का पक्ष तय करें तो इससे कैसा उदाहरण स्थापित होगा। मगर अच्छी बात है कि इस मामले के सामने आने पर केरल उच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी मजिस्ट्रेट, न्यायाधीश और अन्य न्यायिक अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है और उसे भी कर्तव्य में लापरवाही के मामले में परिणाम भुगतने होंगे। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने एक आरोपी को दोषी करार देने के लिए मुकदमे में कथित रूप से साक्ष्य थोपने के मामले में लक्षद्वीप के पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निलंबित करने का आदेश दिया। आमतौर पर अदालतों में गलत तथ्य, झूठे गवाह और फर्जी सबूत पेश करके मुकदमे को प्रभावित करने की कोशिशें देखी जाती रही हैं। मगर यह माना जाता है कि न्यायाधीश इस स्थिति में कानूनी प्रावधान, प्रक्रिया और व्यवस्था के साथ-साथ अपने विवेक का प्रयोग करके सही और गलत का पक्ष तय करते और उचित फैसला देते हैं। इसके उलट अगर यह स्थिति हो कि खुद न्यायिक मजिस्ट्रेट ही किसी मामले में आरोपी को दोषी करार देने के लिए जाली सबूत गढ़ कर या साक्ष्य थोप कर जालसाजी करे, तो ऐसे मुकदमे में फैसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में अदालत का फैसला स्वाभाविक ही न्याय के हक में नहीं होगा। मुश्किल यह है कि ऐसे किसी एक मामले से भी समूची न्यायपालिका की छवि पर असर पड़ता है और लोगों के बीच यह धारणा बनती है कि कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट जब इस तरह की कर्तव्यहीनता कर सकता है तो न्याय की उम्मीद लेकर कहां जाया जाए। इसलिए केरल हाईकोर्ट ने इस मामले में जो रुख अख्तियार किया, वह राहत देता है। इससे यह उम्मीद बरकरार रहती है कि गलत आचरण का आरोपी भले ही न्यायिक मजिस्ट्रेट क्यों न हो, वह न्याय की परिधि से ऊपर नहीं है। यों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मसले पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। खासकर निचली अदालतों में इस समस्या की जटिलता को लेकर चिंता जताई जाती रही है। लेकिन अब भी इस दिशा में ठोस पहलकदमी सामने नहीं आई है, जिससे न्यायिक अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर पूरी तरह रोक लग सके। लक्षद्वीप के न्यायिक मजिस्ट्रेट के इस मामले को देखें तो एक पहलू यह है कि अदालत के किसी फैसले पर पूर्वाग्रह या निजी द्वेष का भी असर पड़ सकता है। सवाल है कि न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को क्या धन, सुविधा आदि के लोभ या फिर अपने पूर्वाग्रहों के आधार पर किसी मुकदमे का फैसला देने का अधिकार है।

जलवायु परिवर्तन पर खोखली चिंताएं

जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह सब कुछ पर्यावरण की कुर्बानी देकर हासिल हुआ है। नतीजा सामने है। हवा, पानी, जमीन और जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो पचास साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे लगातार नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है। गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं। आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें भी 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को कोई तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है। वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत चरणबद्ध तरीके से गलती सुधारने में जुट जाना था। मगर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गए, कोष इकट्ठा हुए, एजंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा। मगर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है। महीने भर पहले पूरी दुनिया की उम्मीदें संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित विश्व जलवायु सम्मेलन पर टिकी थीं। उम्मीद थी कि पिछली छब्बीस बैठकों के मुकाबले इसमें कुछ ठोस जरूर होगा। वजह भी थी कि बीते साल भर में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुईं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे। मगर जब मिस्र में सब जुटे तो जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता के बजाय अमेरिका की अफ्रीका से नई पाइप लाइनें बिछा कर जीवाश्म गैसें लाने की दिलचस्पी सुर्खियों में रही। अक्षय ऊर्जा पर कोई ठोस बहस नहीं हुई। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए। जलवायु परिवर्तन से नुकसान की भरपाई को लेकर इतने मतभेद उभरे कि लगने लगा कि कोई निष्कर्ष निकल भी पाएगा या नहीं। 'क्षरण और क्षति' पर पूरी बहस केंद्रित थी, जिसकी भरपाई कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार देशों से कराने की मांग थी। सहमति न बन पाने और मतभेद ज्यादा होने से बैठक को एक दिन और बढ़ाना पड़ा। अब भरपाई कैसे हो पाएगी, यह वक्त बताएगा। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए बेहद गंभीर संकेत हैं। अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म ईंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलाएंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है। यूरोपीय समूह असल में रूसी गैस का विकल्प ढूंढ़ रहा है। वह इसलिए भी अफ्रीका को ललचाई और स्वार्थ भरी निगाहों से देख रहा है, क्योंकि उसको पता है कि रूस के मुकाबले अफ्रीका हर मोर्चे पर पीछे रहेगा। दुनिया के तमाम उदाहरणों को भी देखना होगा, जब तेल को लेकर कहां-कहां और कैसी-कैसी लड़ाइयां हुई हैं। हो सकता है कि अमेरिका और यूरोपीय समूह के लिए अफ्रीकी देश, रूस के मुकाबले बेहद आसान लक्ष्य हों। हकीकत यह है कि समूची दुनिया में जीवाश्म गैसों के कुल उत्पादन में छह फीसद हिस्सेदारी ही अफ्रीका की है, जबकि जलवायु परिवर्तन से वहां की फसलों पर जबरदस्त दुष्प्रभाव पड़ा है। वहीं अफ्रीका में अब भी साठ करोड़ से ज्यादा लोगों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। ऐसे में अंधेरे अफ्रीकी देश यूरोप को रोशन करेंगे, सुन कर ही कितना अजीब लगता है। बात भारत में साल दर साल बढ़ती भयावह गर्मी की हो या फिर 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप की भयावह गर्मी या उस सूखे की, जो पांच सौ साल का कीर्तिमान था या फिर पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ की हो। दुनिया के तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के चलते समुद्री जलस्तर से दुनिया के कई इलाकों के डूबने के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन झेल रहे तमाम देशों की, इस पर कब चेतेंगे। अभी तो हमने केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में ऐसे हालात देखे हैं, अगर यही वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी आगे बढ़ी, तो हालात कैसे होंगे, कल्पना मात्र से सिहरन हो उठती है। सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। अक्षय ऊर्जा के लिए पर्याप्त धन देकर प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता न बढ़ाने की सहमति बनानी थी, वैसा न कर एक मौका और गंवा दिया। आखिर कब तक दुनिया भर में चुकते प्राकृतिक संसाधन हमारे लिए अवसर बनते रहेंगे? शायद यही वह वक्त है जब जलवायु संतुलन पर जलवायु प्रेमी संगठनों के दखल की जरूरत है, जिसमें सरकारों से अलग जनभागीदारी से लोगों में यह संदेश पहुंचे और भावुक तौर-तरीके अपनाए जाएं, जिससे दुनिया के हर आम आदमी को दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जलवायु को सुधारने की कैसी कोशिशें हों, समझाई जाएं। सवाल सिर्फ सरकारों के एजेंडे, देशों की तरक्की, पैसा कमाने की होड़ या बाहुबली बनने के लिए कुछ भी किया जाए, न होकर आने वाली उस पीढ़ी की चिंता पर है। इसी पर 2015 में पृथ्वी दिवस के दिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी अपनी गंभीर चिंता जताई थी और कहा था कि इससे निपटने की जवाबदेही नई पीढ़ी पर भला कैसे छोड़ी जा सकती है? उनका इशारा भावी पीढ़ी के साथ जबरदस्त और कभी भरपाई न हो सकने वाली मुसीबत की ओर था। भला भावी पीढ़ी का इसमें क्या दोष? क्यों भुगते हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरण असंतुलन का खमियाजा, जो इस मामले में अबोध, नासमझ है, कूटनीति, राजनीति या अर्थनीति की ज्यादा जानकारी नहीं रखती है। बहुतेरों को पर्यावरण, प्रदूषण या जलवायु परिवर्तन की समझ भी नहीं है, लेकिन प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर मन में जरूर कुछ न कुछ हलचल तो होती होगी। बस इसी को जगाना है। सच तो यह है कि समूची दुनिया में प्राकृतिक संतुलन को लेकर एक वैश्विक क्रांति की जरूरत है।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर शाहपुर कॉलेज में नेशनल सेमिनार का आयोजन

राष्ट्रीय गणित दिवस पर शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में गणित विषय में अनुसंधान के नए आयाम विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ भव्य आयोजन

नर्मदा समय नवील वर्मा

शाहपुर। सरकारी कॉलेज शाहपुर में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर गुरुवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार विषय गणित विषय में अनुसंधान के नए आयाम का आयोजन विश्व बैंक परियोजना के अधीन मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अन्तर्गत हाइब्रिड मोड में किया गया। सेमिनार का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. डी. वाघमारे के नेतृत्व में किया गया। सेमीनार का उद्देश्य छात्रों के बीच गणित विषय में अनुसंधान को लोकप्रिय बनाना, इसके महत्व पर जोर देना और उन्हें गणित के रुझानों से अवगत कराना था। कार्यक्रम की रूप रेखा बताते हुए सेमीनार की संयोजक प्रो. ज्योति वर्मा ने सेमिनार की शुरुआत की। स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. डी. वाघमारे ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया और सेमीनार को सफल बनाने के लिए महाविद्यालय की पूरी टीम को साधुवाद के साथ साथ शुभकामनाये भी दी। उद्घाटन सत्र के पश्चात सेमीनार के प्रथम वक्ता डॉ. खुशाल देवघरे,जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल ने श्रीनिवास रामानुजन एवं गणित के क्षेत्र में उनके कार्यो पर गूगल मीट के माध्यम से प्रकाश डाला। सेमीनार के द्वितीय वक्ता डॉ. सुनील दादारावजी बागडे, गोंडवाना यूनिवर्सिटी, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र ने लाइव जुड़कर गणित विषय में अनुसंधान के नए आयाम के बारे में जानकारी दी एवं कहा कि गणित एक महत्वपूर्ण साधन है। गणित के क्षेत्र में आज करियर के और भी कई विकल्प हैं। गणित में स्नातक, स्नातकोत्तर पूरा करने के बाद, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, बीमा, अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। विविध क्षेत्र के इस विषय में छात्रों की रुचि पैदा करने के लिए, शिक्षकों को विषय में छात्रों की रुचि पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। हम कैसे पढ़ाते हैं, इसकी फिर से कल्पना करने, छात्रों को शामिल करने और उन्हें चौकस रखने का यह सही समय है। सेमिनार के अंतिम वक्ता प्रो. शुभम नामदेव, राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी, बालाघाट ने कहा की गणित सिर्फ संख्याओं का विज्ञान नहीं है; यह दिमाग में तर्क, समझ और आलोचनात्मक सोच की आदत को बसाने का एक तरीका है। पूरी दुनिया में, गणित,भौतिकी,रसायन विज्ञान, वास्तुकला और डिजाइनिंग, व्यवसाय, लेखा परीक्षा, सी ए, वाणिज्य, चिकित्सा आदि जैसे क्षेत्रों की विविधता में एक प्रमुख साधन के रूप में कार्यरत है। गणित के विभिन्न क्षेत्रों में अद्वितीय अनुप्रयोग हैं। सभी वक्ताओं ने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनकी समस्यों का समाधान किया है। सेमीनार के अंत में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमे प्रथम पुरस्कार चंचल ठाकुर दूसरा विशाल वर्मा एवं तृतीय पुरूस्कार अमन मालवीय ने हासिल किया। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण के बाद डॉ. देवेन्द्र कुमार रोडगे, फैकल्टी हेड साइंस के द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन एवं मंच का संचलान डॉ. मीनाक्षी ठाकुर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. संजय बाणकर, डॉ. शीतल चौधरी, डॉ. पवन सिजोरिया, डॉ. नितेश पाल, डॉ. ओम. झा, प्रो. अजाबराव इवने, प्रो. सी. के. बाघमारे, डॉ. सचिन कुमार नागले, प्रो. राजेंद्र ठाकुर, प्रो. अलकेश सोनारे, जयन्त मिश्रा, मनीराम उइके, विश्वनाथ धाडसे, अमित यादव एवं अन्य समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सेमीनार में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन लगभग 380 लोगो ने सहभागिता की।

जैविक खेती से कन्नड़ गांव का किसान ने बढ़ाई आमदनी

अन्य किसानों को भी कर रहे प्रेरित

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। रासायनिक खाद व कीटनाशकों के दुष्परिणाम को देखते हुए अब किसान जैविक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जैविक खेती में उत्पादन अधिक होने से किसान कम समय में अच्छी कमाई कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त केंचुआ खाद बनाने में भी किसान अग्रसर हैं। आमला विकासखंड के ग्राम कन्नड़ के किसान राजू हारोड़े ने बताया कि उनके पास 35 एकड़ खेती है और इसमें बेहतर उत्पादन के साथ जैविक खाद का निर्माण कर रहे हैं। इस प्रकार की खेती उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बना रही है। वे स्वयं जैविक खाद का खेत में उपयोग कर रहे हैं और अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं। किसान श्री हारोड़े ने अपने खेत में केंचुआ खाद बनाने के लिए यूनिट बनाई है। जिसमें गोबर, कचरा व पानी डालकर केंचुआ खाद तैयार कर रहे हैं। खाद बनाने की इस प्रक्रिया में 45 दिन लगते हैं। एक बार में वह 4 से 5 ट्राली खाद बना लेते है। किसान श्री हारोड़े ने बताया कि वह फसल में जैविक खाद का उपयोग करते हैं। गेहूं, गन्ना और सोयाबीन फसल लगाते है। जैविक खाद से फसल का उत्पादन भी अच्छा होता है और इसमें कम लागत भी लगती है। श्री हारोड़े ने कहा कि अगर सभी किसान अपने खेतों में शत-प्रतिशत जैविक खाद का उपयोग करेंगे तो निश्चित तौर पर अनाज की गुणवत्ता बनी रहेगी और उसे खाने से सेहत पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। रासायनिक खाद के उपयोग से कई तरह की बीमारियां घेर लेती है, जबकि जैविक खाद से तैयार उपज से किसी भी प्रकार के साइड इफेक्ट नहीं होते।

हर साल कमाते है लाखों रूपये

जैविक खेती से कन्नड़ गांव के राजू हारोड़े ने बताया कि वह सिजनेबल फसल की पैदावर तो करते ही है, साथ ही सब्जियों की खेती भी जैविक पद्धति से करते है। श्री हारोड़े ने बताया कि प्यास, टमाटर, मिर्ची, गाजर, मूली सहित अन्य सब्जियां लगाते है। जिससे प्रतिवर्ष उनकी 5 से 6 लाख रूपये की आमदनी हो जाती है। इसके अलावा गन्ना फसल से भी इतना ही लाभ प्रतिवर्ष कमाते है। श्री हारोड़े का कहना है कि रासायनिक खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है और अधिक खर्च भी लगता है, जबकि जैविक खेती कम खर्च में अच्छा मुनाफा प्रदान करती है।

नुकसान की कम संभावना, पैदावार भी बंपर

कन्नड़ ग्राम के किसान राजू हारोड़े ने बताया कि रासायनिक और जैविक खेती में अंतर बताया है। श्री हारोड़े ने कहा कि जैविक खेती से नुकसान की संभावन कम हो जाती है। इससे फसल की पैदवार तो बढ़ती ही है, साथ ही किसी प्रकार का नुकसान भी मिट्टी को नहीं होता। जबकि रासायनिक खेती से मिट्टी को तो नुकसान होता ही है और रासायनिक खेती से उत्पन्न फसल और सब्जियां मानव शरीर को भी प्रभावित करती है। रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों को देखते हुए श्री हारोड़े किसानों को भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेते हुए अपनी जमीनों में उन्नत खेती करके लाभ कमाने के लिए प्रोत्साहित करते है।

इनका कहना है

जैविक खेती के कई फायदे है। इसमें नुकसान की संभावना कम रहती है और उत्पादन भी अधिक होता है। रासायनिक खेती फसलों, मिट्टी और मावन शरीर को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए मैं अन्य किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

राजू हारोड़े,
उन्नत कृषक, कन्नड गांव

बढ़ई चाल बल्ला चाल क्षेत्र में हो मोक्ष धाम निर्माण : पार्षद कुमारी खुशबू विजय अतुलकर

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद कुमारी खुशबू विजय अतुलकर द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम एक पत्र लिखा गया जिसमें पार्षद ने आगामी होने वाली पी आई सी बैठक के एजेंडे में अपने वार्ड क्रमांक 9 के क्षेत्र बढ़ाई चाल बल्ला चाल और आसपास के क्षेत्र वासियों के लिए मोक्षधाम निर्माण की मांग की है पार्षद ने बताया कि इस क्षेत्र में सबसे अधिक दिक्कत का सामना उस समय करना पड़ता है जब किसी परिवार में कोई मृत्यु हो जाए बहुत ही कठिनाई का समय होता है इस क्षेत्र में दाह संस्कार करना यहां किसी प्रकार के कोई इंतजाम नहीं है पार्षद ने बताया है कि आज मैंने पी आई सी के एजेंडे में बढ़ई चाल बल्ला चाल क्षेत्र में मोक्ष धाम निर्माण करने नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित अधिकारी के नाम पत्र लिखा है जिसमें मैंने शवदाह चबूतरा सेट निर्माण पानी हेतु बोरवेल बाउंड्री वाल बिजली व्यवस्था एवं मोक्ष धाम तक पहुंचने हेतु मार्ग निर्माण के लिए

लिखा है इसी के साथ बढ़ाई चाल में सतीश यादव जी के मकान के पीछे का जो कुआं कई वर्षों से क्षतिग्रस्त है जिसे कुछ दिन पूर्व मालवीय परिवार द्वारा अपने पूर्वज की स्मृति में नगर पालिका अमला को दान दे दिया गया है उस कुए पर मुंडेर बनाकर लोहे की जाली लगाने के साथ-साथ उस कुए की सफाई कर दानदाता का नाम उस पर अंकित करने की मांग मेरे द्वारा पत्र लिखकर की गई है जिसमें मुझे अध्यक्ष उपाध्यक्ष द्वारा आश्वासन दिया है कि इन बिंदुओं को आगामी पी आई सी की बैठक के एजेंडे में आवश्यक रूप से जोड़ा जाएगा।

C M Y K

9 गाँवों में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में अनोखे मेले का आयोजन

1000 से ज्यादा बच्चों, 50 शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पालकों की उपस्थिति के साथ किया गया आयोजन

शाहपुर। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष में एच. टी.पी. फाउंडेशन के वित्तीय एवं एकलव्य फाउंडेशन के सहयोग से शुक्रवार को शाहपुर ब्लॉक की शासकीय शाला धपाड़ा, रानापुरा, धांसई, भौरा, धार, पहावाड़ी, कछार, जामुनढाना और हांडीपानी में गणित मेला का आयोजन किया गया। इस गणित मेले के आयोजन के माध्यम से बच्चों को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम के बारे में बच्चों को बताना, तथा उनके कामों के माध्यम से गणित और गणितीय सोच को बढ़ावा देना था।द्य एकलव्य फाउंडेशन के सहयोग से शिक्षकों और बच्चों की गणित मेला की तैयारी कराई गई और करीब 20 से ज्यादा विभिन्न रोचक और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से मेले में बच्चों के साथ कार्य किया गया। इस मेले का बच्चों ने आज अपने स्कूल में सफल संचालन किया। शिक्षकों, पालकों और बच्चों की भागीदारी काफी उत्साह पूर्ण रही। सभी बच्चों ने मेले में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस मेले में शरीर की लंबाई नापना, वजन नापना, हथेली की लंबाई, पाँव की लंबाई, श्वास रोकने की क्षमता, एक श्वास में गिनती गिनना, एक मिनिट में अनाज के दानों

को गिनना, सिक्के पर पानी की बूंदों को गिराना एवं पृष्ठ तनाव के सिद्धांत को समझना, आयतन परिवर्तन, ठोस वस्तु का आयतन निकालना, माचिस की तीलियों के माध्यम से आकृति बनाना, वर्ग पहेली, कदमताल से दूरी मापना, पहेलियाँ, माइंड रीडर गेम, गणित दौड़ बच्चों के बीच आयोजित की गयी। इस मेले के माध्यम से बच्चों में यह संदेश दिया गया कि गणित को अपने आसपास के दैनिक गतिविधियों और जीवन से जोड़कर कैसे सीखा जा सकता है इस मेले में भौंरा संकुल प्राचार्य श्री एस के कटारे, स्कूल विद्यालय प्रभारी, भौंरा सरपंच श्रीमति मीरा धुर्वे शासकीय शिक्षक शैलेन्द्र चौहान, विनोद उइके, लक्ष्मी विश्वकर्मा, सुमन विश्वकर्मा, वर्षा मैडम, एस.एल.कुमरे, रामशंकर बारसे, प्रतिभा भोरसे, रजनी वर्मा, रामकिशोर बारस्कर, शहनाज खान, अंगूरी सलाम, रश्मि पाटिल, रामप्रसाद, हेमेन्द्र सिरोठिया, आरती कावरे, सविता दीक्षित, गीता दुबे, अशोक शिवड़े, आरती मैडम, शकुंतला उइके, हीरामनी मेहरा, डी. घोडकी मैडम, बी.आर.घोडकी, एस.के.कटारे, उमेश कुमार दुबे, गंगा गवाड़े, कैलाश राठौर, विपिन गोस्वामी, वंशकार सर, बारस्कर सर, राजेश मालवीय, रितु तिवारी, बिन्जारे मेम, अजय चौरसिया, अखलेश हुरमाड़े, अमित तिवारी, नितिन वर्मा, गुलशन यादव, वसुंधरा नायक, रंजना बर्डे, छाया मेम, साधना मेम, प्रेमलाल भनारे, रामजी वट्टी उपस्थित रहे। शिक्षक साथियों, और पालकों के द्वारा एकलव्य के कार्य की सराहना की और ऐसे ही परस्पर सहयोग की आशा की, जिससे बच्चे पालक और समुदाय एक दूसरे के साथ सीखने-सिखाने का काम करते रहें। गौरतलब है कि एकलव्य संस्था बैतूल जिले के शाहपुर ब्लॉक में श्रद्धस्क्र परियोजना के तहत काम कर रही है।

बरबतपुर ट्रेन स्टॉपेज बना जनता की झूठी खुशी

शाहपुर। बरबतपुर रेल्वे स्टेशन पर 20-25 सालों से ट्रेन स्टॉपेज की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है किसी भी जनप्रतिनिधि केंद्र हो या फिर राज्य के किसी ने बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन स्टॉपेज की सुध नहीं ली ओर जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है शाहपुर नगर परिषद होने के साथ साथ बरबतपुर रेलवे स्टेशन एक घनी आबादी से गिरा हुआ क्षेत्र है इस स्टेशन से आदिवासी एवं पुनर्वास केंद्र के लाखों लोग निवास करते हैं फिर भी अभी तक किसी जनप्रतिनिधि ने एक भी ट्रेन का 20-25 सालो मे स्टॉपेज नहीं कराया बरबतपुर स्टेशन पर शाहपुर की जनता ने रेल मंत्री से लेकर , रेल बोर्ड एवं रेल महाप्रबंधक रेल विभाग के समस्त मंडल तक ट्रेन स्टॉपेज की मांग करते आ रहे हैं पर किसी ने अभी तक ट्रेन स्टॉपेज नहीं कराया चुनाव आते ही जितने भी जनप्रतिनिधि होते हैं वह ट्रेन स्टॉपेज की झूठी खुशी देकर जाते हैं बाद में कोई सुध नही लेते हे ओर जनता परेशान होती रहती है बैतुल जिले मे इतने बड़े-बड़े जनप्रतिनिधि होने पर भी एक भी जनप्रतिनिधि 20-25 सालों मे एक भी ट्रेन स्टॉपेज नहीं कराया पाया बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर जनता जन प्रतिनिधियों की ट्रेन स्टॉपेज की झूठी खुशी मना रहा है। विक्की नायक नगर परिषद अध्यक्ष- बरबतपुर स्टेशन घनी आबादी का क्षेत्र है अधिकांश जनता को महानगरों की ओर जाना पड़ता है इसलिए ट्रेन स्टॉपेज अति आवश्यक है अरविंद गुप्ता- 20-25 सालों से एक भी जनप्रतिनिधि ने बरबतपुर पर ट्रेन स्टॉपेज नहीं कराया है अब तो इंदौर छिंदवाड़ा या अंडमान का स्टॉपेज होना अति आवश्यक है जनता परेशान हो रही है।

जनपद अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट आमला प्रीमियमलिंग का हुआ आगाज

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। नगर के रेल्वे स्टेडियम में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट आमला प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष गणेश यादव एवं नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 32 टीम खेलेंगी।

शुभारंभ के दिन पहला मैच शिवाजी स्पोर्ट क्लब और नव दुर्गा के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ इस कड़े मुकाबले में नवदुर्गा स्पोर्ट क्लब को शिवजी क्लब ने 16 रन से पराजित कर जीत हासिल कि। वही इस प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए , द्वितीय पुरुस्कार 51 हजार रुपये हैं। प्रतियोगिता के शुभारंभ में मुख्य अतिथि ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस प्रतियोगिता के बारे में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट आमला प्रीमियर लीग के चंदन सिंह मानू ने बताया कि यह प्रतियोगिता में प्रदेश की दमदार टीम भागीदारी करेगी।

बैतूल, सारणी, मुलताई होशंगाबाद अकोला विदिशा नरसिंहपुर अमरावती की टीम प्रतियोगिता में शिरकत करेगी। प्रतियोगिता के शुभारम्भ कार्यक्रम में गणेश यादव नितिन गाडरे, हरि यादव, किशोर माथनकर, अशोक नागले, राजेश पंडोले, मुक्ता ढोलेकर अशोक झा, उपस्तिथ थे।

स्कूली बच्चों के मस्तक से तिलक,हाथों से रक्षासूत्र हटवाने पर बचा बवाल

हिन्दू संगठनों ने जताया विरोध, पुलिस-बीआरसीसी अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला हुआ शांत

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। सेंट थॉमस स्कूल कोई न कोई विवादों में रहा है। अब नया विवाद सामने आया है। स्कूल प्रबंधन ने छात्र-छात्राओं के माथे पर लगे सिंदूरी तिलक और हाथों के बंधे कलावा को हटवा दिया। जिससे बवाल मच गया। दरअसल कुछ बच्चे तिलक लगाकर स्कूल आये थे, तो कुछ बच्चों के हाथो में कलावा (रक्षासूत्र) बंधे थे। जिस पर स्कूल प्रबंधन ने एतराज जताते हुए उन्हें हटवा दिये और मस्तक पर तिलक लगाकर, हाथो में रक्षासूत्र बांधकर आने के लिए मनाही की। जैसे ही इसकी सूचना अभिभावकों और हिन्दू संगठनों को लगी, सभी लोग स्कूल पहुंच गये और जमकर नारेबाजी कर विरोध किया। सूचना मिलते ही बीआरसीसी अधिकारी और पुलिस भी मौके पर पहुंची और विवाद को शांत कराया। हालांकि बीआरसीसी और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्कूल प्राचार्य जीनू प्रकाश थॉमस ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में इस तरह की पुर्नवृत्ति नहीं होने का लिखित पत्र दिया। जिसमें यह भी स्पष्ट किया गया कि संस्था में अध्ययनरत छात्रों के हाथो एवं मस्तक पर टीका लगाकर आने पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। जिसके बाद मामला शांत हुआ।

हिन्दू संगठनों और अभिभावकों ने जमकर किया विरोध

स्कूल प्रबंधन की हठधर्मिता को लेकर जहां अभिभावकों ने नाराजगी जताई, वहीं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं और छात्रा प्रमुख मुक्ता ढोलेकर ने जमकर विरोध किया। सेंट थॉमस स्कूल पहुंचकर सभी ने प्रबंधन के इस रवैये को लेकर नारेबाजी की। हिन्दू संगठनों का कहना था कि हिन्दू धर्म में पूजा करने के बाद मस्तक पर तिलक एवं हाथ में कलावा (रक्षासूत्र) बांधने की परंपरा है। हिन्दूओं की इस परंपरा का स्कूल प्रबंधन द्वारा आलोचना करना या मस्तक से तिलक, हाथो से रक्षासूत्र हटवाना कतई ठीक नहीं है। जिसके लिए स्कूल प्रबंधन को माफी मांगनी चाहिए।

जांच करने पहुंची बीआरसीसी और पुलिस

बीआरसीसी अधिकारी ने बताया कि हमारे पास शिकायत आई थी। शिकायत के तत्काल बाद जांच के लिए स्कूल पहुंचे थे, जहां स्कूल प्राचार्य से चर्चा कर जानकारी हासिल की। वहीं स्थिति को देखते हुए पुलिस भी स्कूल पहुंच गई थी। इस दौरान स्कूल प्राचार्य ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित में प्रमाणीकरण प्रस्तुत किया है और भविष्य में इस तरह की त्रुटि की पुर्नावृत्ति नहीं होने का आश्वासन दिया है। बीआरसीसी अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की और जांच की जायेगी।

इनका कहना है

(1) जो बच्चे तीन अंगुलियों का टीका लगाकर आते थे, उन्हें मना किया गया था। टीका लगाये, इस पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। - जीनू प्रकाश थॉमस, प्राचार्य, सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल आमला।

(2) जांच करने पर पता चला है कि यह समस्या थी। इसका निराकरण भी कर दिया है। स्कूल प्रबंधन को चेतावनी भी दी है। उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया है।

मनीष धोटे, बीआरसीसी
स्त्रोत समन्वयक, आमला।

विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से आमला सारणी विधानसभा को मिली तीन सड़कों की सौगात

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2022-2023 के द्वितीय अनुपूरक अनुमानों में आमला विधानसभा की 3 सड़कों के निर्माण को मिली स्वीकृति

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। शीतकालीन सत्र के अनुपूरक अनुमानों में आमला क्षेत्र के विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली तीन सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिली है। विभागीय प्रकिया एवं औपचारिकताओं के पूर्ण होने के पश्चात जल्द सड़कों का निर्माण प्रारंभ होगा। क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से आमला विधानसभा के बोरदेही से मोर्छी, डोडावाणी से हार्रा होते हुए जम्बाड़ा, कुटखेड़ी से डोडावानी को जोड़ने वाली तीन प्रमुख सड़कों के निर्माण की स्वीकृति अनुपूरक बजट में मिली है। भाजपा मीडिया प्रभारी गोपेंद्र सिंह बघेल ने बताया क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के सतत प्रयासों से शीतकालीन सत्र में मध्यप्रदेश शासन ने आमला विधानसभा के तीन प्रमुख सड़कों जिनमें बोरदेही से मोर्छी छिंदवाड़ा जिले की सीमा तक सड़क 6.20 कि मी लागत 7.75 करोड़, ग्राम डोडावानी से हर्रा भाटा होते हुए जम्बाड़ा सड़क 4.50 कि मी , लागत 5.63 करोड़ एवम कुटखेड़ी से डोडावानी सड़क निर्माण 1.60 कि मी, लागत 2.00 करोड़ , कुल लागत 15 करोड़ से अधिक राशि के सड़क निर्माण संबधित कार्य अनुपूरक अनुमानों में सम्मिलित किए गए है। गौरतलब है विभिन्न आधारभूत एवं ढांचागत संरचना संबंधित विकास कार्यों के साथ, तीनो सड़को के निर्माण के लिए क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेट कर स्वीकृति का आग्रह किया था जिसके फलस्वरूप शासन के द्वितीय अनुपूरक अनुमानो में सड़क निर्माण कार्यों को सम्मिलित किया गया है।

गन्ना उत्पादक किसानों के साथ ग्रामीणों को होगा बड़ा लाभ

तीनों सड़कों के निर्माण से गन्ना बहुल आमला क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसानों को मील तक गन्ने के परिवहन में बहुत सुविधा होंगी वही मिलो की परिचालन अवधि में ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध होगा साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी व्यापारी एवं ग्रामीण जनों को भी सड़क निर्माण से सुगम यातायात का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों ने जताया क्षेत्र विधायक का आभार

तीनों सड़कों के निर्माण से लाभान्वित ग्रामीणों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने सड़क निर्माण के लिए क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे का आभार व्यक्त किया। द्वितीय अनुपूरक अनुमानों में 15 करोड़ से अधिक राशि से आमला विधानसभा के विभिन्न गांव को जोड़ने वाली तीन सड़कों के निर्माण को सम्मिलित करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आमला सारणी विधानसभा की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त करता हु।

डॉ योगेश पंडाग्रे
आमला सारणी विधायक

नल जल योजनाः मोटर जलने के कारण 2 हफ्ते से नल जल योजना की आपूर्ति ठप

नर्मदा समय, नवील वर्मा

शाहपुर। ब्लॉक ग्रांम पंचायत सिलपटी के लोग 2 हफ्ते से पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। पंचायत में संचालित नल-जल योजना बंद होने के कारण लोगों को हैंडपंप, कुआं या अन्य निजी जलस्त्रोतों के भरोसे काम चलना पड़ रहा है।पंचायत में 2 हफ्ते से नल-जल योजना से जलापूर्ति ठप है। बिजली मोटर जलने के कारण पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। मोटर खराब होने से इस पर किसी का ध्यान नहीं है। ग्रामीणों ने कई बार इसकी शिकायत सरपंच एवं सचिव से की है। लेकिन सभी एक- दूसरे की जिम्मेदारी बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं। सचिव ने कहा की हमारे पास कोई व्यवस्था नही है। ग्रामीण अनीता उपराले, अंतराम पाटले, इंद्रमोहन रजने, अखिलेश कहार, भरोस कहार, उमेश पाटले, जगदीश जोठे, रघुनंदन जोठे, शिवनारायण लविस्कर का कहना है कि जब से नल जल योजना शुरू हुआ, कभी लगातार पानी नही मिला है। कई बार इसी तरह नल-जल योजना ठप हो जाती है। नल-जल योजना के संचालन के काम में किसी तरह की गंभीरता नहीं दिखाई जाती। इससे गर्मी के अलावा अन्य दिनों में लोगों को परेशान होना पड़ता है।

इनका कहना है

बोर में लगी पानी की मोटर जल गई है। मशीन नहीं आने के कारण मोटर निकालने में 1 हफ्ते की देरी हो गई। कल मशीन को बुलवाया है। जिससे मोटर निकालकर दूसरी मोटर डाल देंगे।

सकल सिंह चौहान
सचिव ग्राम पंचायत सिलपटी

महाविद्यालय में स्थापित सुझाव पेटी में छात्राओं द्वारा डाले गए सुझाव

नर्मदा समय /प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय अग्रणी महाविद्यालय में राज्य शासन के द्वारा निर्मित की जाने वाली युवा नीति हेतु छात्राओं से प्राप्त सुझाव एकत्रित किए जा रहे हैं। इस हेतु महाविद्यालय में स्थापित सुझाव पेटी में छात्राओं द्वारा डाले गए सुझाव शासन को प्रेषित किए जा रहे हैं। छात्राओं को सुझाव देने हेतु महाविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं को सुझाव देने हेतु आवश्यक जानकारियां प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डा श्रीमती कामिनी जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि छात्राओं को कौशल उन्नयन एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े ऐसे सुझाव देने हेतु कहा जो युवा नीति में सम्मिलित किए जा सके एवं ऐसे सुझाव जो छात्राएं युवा नीति में सम्मिलित करना चाहती है। इस अवसर पर उन्होंने जानकारी दी कि महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा कल दिनांक 26 दिसंबर को एक रैली आयोजित की जाएगी। जिसमें युवा नीति के संबंध में आम जनों को अवगत कराया जाएगा, छात्राओं से सुझाव प्राप्त करने हेतु महाविद्यालय में एक सुझाव पेटी लगाई गई है। जिसमें छात्राएं बड़ी संख्या में अपने सुझाव डाल रही है। प्रभारी प्राध्यापक डॉ वर्षा चौधरी ने बताया कि बड़ी संख्या में छात्राओं के सुझाव प्राप्त हो रहे है एवम इनमे अधिकांश छात्राओं के सुझाव कौशल उन्नयन को लेकर है , वे पाठ्यक्रम में ऐसे बदलाव चाहती है जो रोजगार एवम स्वरोजगार से जुड़े हों।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया

नर्मदा समय, नवील वर्मा

शाहपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिवस रविवार को सुशासन दिवस के रूप भाजपाइयों द्वारा पंचायत भवन स्थित अतिथि भवन में मनाया गया। अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए उनके चित्र पर राज महिला आयोग की पूर्व सदस्य श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके ने दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित किए। जिसके पश्चात पार्टी कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सामूहिक रूप से सुना। मंडल महामंत्री महेंद्र सिरोटिया ने कहा कि आज हम सब देश के हृदय सम्राट, भारत रत्न, ऐसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की जन्म जयंती मना रहे हैं, जिन्होंने देश और धर्म की सभ्यता, संस्कृति, आन-बान-शान और रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन देश धर्म के उज्जवल गौरवशाली बनाने और इसकी सेवा आराधना में समर्पित कर दिया। अटल बिहारी वाजपेयी सभी को साथ लेकर चलते थे। उनका सपना था कि ग्राम की सभी सड़के हाईवे से जोड़ी जाएं। सभी नदियां आपस में जोड़ी जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके सपने को पूर्ण कर रहे हैं।भारतीय जनता पार्टी को शिखर तक पहुंचाने में वाजपेयी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पार्टी के पहले प्रधानमंत्री के रूप में देश को सुशासन के रूप में अच्छा शासन दिया। इस कार्यक्रम में श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके, सरपंच मीरा धुर्वे, महेंद्र सिरोटिया, किरण मसकोले, जय किशोर मिश्रा, दिलीप माधव,रूबल सलूजा, पिंटू राठौर, यश राठौर, अमन राठौर आदि कार्यकर्ता मोजूद रहे।

C M Y K

बोड़खी मे आयोजित किया गया था पवार-कुर्मी समाज का प्रांतीय सम्मेलन

पवॉर समाज के परिचय सम्मेलन मे 252 युवक-युवतियों ने बेबाकी से दिया परिचय

नर्मदा समय, बबलू निरापुरे

आमला। पवांर समाज योद्धाओं का समाज है । समाज का प्रत्यके व्यक्ति समाज हित के लिए काम करता है। यही कारण है कि समाज मे शिक्षा राजनीति और सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र मे लगातार उन्नति हो रही है। समाज की प्रतिभाएं प्रदेश और देश के विकास मे अपने-अपने स्थान पर लगातार काम कर रही है। ये बाते जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार ने सूर्यवंशी क्षत्रिय भोयर कुर्मी समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होनें कहा कि समाज की एक्ता आगे भी इसी तरह बनी रहनी चाहिए। इस बात का संकल्प हमे लेना चाहिए। समाज का यह प्रांत स्तरीय सम्मेलन रविवार को बोड़खी नाका के गणेश लॉन मे आयोजित किया गया था। आयोजन समिति के पिंटू पवार ने बताया यहां पर कुल 252 युवक- युवतियों ने विवाह के लिए अपना परिचय दिया। परिचय सम्मेलन के दौरान युवक-युवतियों ने बेबाकी से अपना नाम पता और पूरा परिचय दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ0 योगेश पंडागरे ने समाज के लोगो के एकजुट होनें और इतने बड़े कार्यक्रम का आयोजन करने पर बधाई दी। कहा कि भविष्य मे भी इसी तरह के सफल आयोजन होते रहे इसके लिए उन्होनें 21 हजार रू0 समाज को देने की घोषणा की। वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश खंडेलवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन जहां समाज के लोगो मे सामंजस्य बढ़ाते है । कार्यक्रम मे जनपद अध्यक्ष गणेश यादव नपाध्यक्ष नितिन गाडरे पूर्व नपाध्यक्ष मनोज मालवे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज देशमुख भी समाज के कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष जियालाल पटवारी एवं जिला अध्यक्ष गजराज बेडरे ने समाज का प्रतिवेदन पढ़ा। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय संरक्षक जगदीश राठौर एवं प्रांतीय महासचिव दिनेश मानकर तथा कविता सावनेर ने किया। कार्यक्रम को प्रांतीय उपाध्यक्ष कृष्णा टिकारे छिंदवाड़ा नर्मदापुरम् भोपाल नागपुर गाडरवाड़ा एवं टिमरनी के जिला अध्यक्ष ने भी संबोधित किया। सम्मेलन को मनोहर पवार राजकुमार राठौर पवन पवार मोहन देवड़े संजय पवार माखन पवार कमलाकर राठौर बंटी डढारिया सुदामा डढारिया हेमराज पवार शिवराम नागपुरे नाना डढारिया शेषराव बेडरे रामदयाल बेडरे अनिल पवार आदि ने सफल बनाया।

क्रिसमस के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा , इनाम वितरण किए गए

नर्मदा समय/ प्रदीप गुप्ता

सिवनी मालवा। मित्र मंडली आराधना गिरजाघर में क्रिसमस के अवसर पर 25 दिसंबर को सुबह 10 गिरजाघर में सिवनी मालवा एवं बानापुरा के समस्त मसीह समाज के लोगों के द्वारा विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। प्रार्थना सभा का मुख्य उद्देश ईसा मसीह का जन्मदिन को मनाया गया, जिसे क्रिसमस कहते हैं। चर्च में विशेष प्रार्थना सभा की गई एवं यीशु मसीह के जन्म के बारे यीशु मसीह के जन्म की भविष्यवाणी कई साल पहले ही हो गई थी एवं उनका जन्म किस प्रकार होगा, यीशु मसीह कहां जन्म लेंगे एवं उनके कार्यों के विषय में विस्तार से बताया गया एवं चर्च के लोगों के द्वारा गवाही एवं गीत प्रस्तुत किए गए बच्चों के द्वारा भी गीत प्रस्तुत किए गए एवं संडे स्कूल के बच्चों युवा संघ एवं चर्च के पदाधिकारियों को इनाम वितरण किया गया। इनाम वितरण में बच्चे, युवा, बुजुर्ग सभी को इनाम वितरित कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समस्त ईसाई समुदाय का विशेष योगदान रहा।

मलकापुर आयुर्वेदिक अस्पताल के योग प्रशिक्षक कमलेश डोंगरे मध्यप्रदेश के लिए खेलेंगे

योगासन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में फहराया बैतूल का परचम

नर्मदा समय, नवील वर्मा

बैतूल। नेशनल योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तहत गत दिनों भोपाल मे आयोजित हुई योगासन चैंपियनशिप मे राज्य स्तरीय सीनियर ग्रुप में बैतूल जिले से खेलकर आचार्य कमलेश डोंगरे ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए।राजस्थान मे आगामी वर्ष 11 जनवरी को राष्ट्रीय स्तर पर अयोजित होने वाली नेशनल योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन चैंपियनशिप मे सीनियर एज ग्रुप मे मध्यप्रदेश के लिए बैतूल जिले के ख्याति नाम योगाचार्य आचार्य कमलेश डोंगरे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में राजस्थान के उदयपुर में खेलेंगे। ज्ञात हो आचार्य कमलेश वैलनेश सेंटर मलकापुर में योगाचार्य के पद पर पदस्थ है। उनकी इस उपलब्धि पर आयुर्वेदिक अस्पताल मलकापुर के स्टाप डॉ. ज्योति कुंभरे, शशिकला खासदेव, आशा मालवीय, सरजू दीदी सहित सिद्धि योग साधना केंद्र के नियमित रूप से योग चिकित्सा विज्ञान को आत्मसात कर रहे वरिष्ठ शिक्षक रमेश वर्मा, नरेंद्र पटेल, राजकुमार पवार, लोकेश वर्मा, दीनदयाल पवार, लीलाधर हजारे, प्रमोद हजारे, कु.वंशिता, दीपशिखा, राधा, अप्सरा, दिव्या सहित समस्त योग साधकों एवं ग्रामवासियों ने बधाईयां देकर राष्ट्रीय स्तर पर अयोजित होने वाली प्रतियोगित मे बैतूल जिले व मध्यप्रदेश का नाम रोशन करने की अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की।

भाई का हक कभी मत खाना : कान्हा जी महाराज

कलयुग की चार गंदी जगह है जुआ, मंदिरा, मांसभक्षण, वेश्यावृत्तिः कान्हा जी महाराज

जो व्यक्ति सूर्योदय के बाद तक सोएगा उसके जेब में दवाई का पैकेट हमेशा रहेगा: कान्हा महाराज

नर्मदा समय, नवील वर्मा

बैतूल। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम मलकापुर में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण में तृतीय दिवस की कथा में वृंदावन से पधारे कथा प्रवक्ता कान्हा जी महाराज ने कथा मे शिव विवाह, ध्रुव चरित्र, नरसिंह अवतार प्रहलाद चरित्र की कथा का संगीतमय झाकियों सहित वर्णन किया। चलते प्रसंग में कान्हा जी महाराज ने शिव व सति प्रसंग की व्याख्या करते हुए बताया कि किस तरह शिव (पति की) आलोचना सुनने पर सति माता ने अपना शरीर यज्ञ कुण्ड में भस्म कर दिया। जब शिवजी ने सति की देह को लेकर भ्रमण किया तो नारायण के चक्र से सति माता के शरीर 51 स्थानों पर गिरा, जहां शक्ति पीठों की उत्पति हुई। जीव का सच्चा सम्बंध सगे सम्बंधियों से नहीं बल्कि प्रभु से होना चाहिए।

भाई का हक कभी मत खाना

कान्हा जी महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए बताया कि दुर्योधन के विनाश का मूल कारण है भाई युधिष्ठिर को उसका हक नहीं देना। कथा सुन रहे मेरे माई बापो, भाई का हक कभी मत खाना। ऐसा करने वाले तेरह वर्ष बीतने का इंतजार करें उसका विनाश शुरू होना तय है। कान्हा महाराज ने कहा जब जनगणना हो तब जरूर बताना की हमें संस्कृत भाषा भी आती है क्योंकि हमें अनेकों श्लोकों का ज्ञान है और याद भी हैं।

कलयुग का प्रवास इन चार जगह है

कान्हा महाराज ने कहा कि कलयुग चार गंदी जगह प्रवास करता है जुआ, मदिरा, मांसभक्षण, वेश्यावृत्ति जिसने इनको पकड़ा वह नष्ट हो गया। जिनके जीवन में ये बैठ जाए वह कितना भी धनवान हो वह अशांत ही रहेगा। इसीलिए इन चारो दुर्गुणों से दूरी बनाकर रखें। कान्हा महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति सूर्योदय के बाद तक सोता है उसके जेब में दवाई का पैकेट हमेशा रहता है। सूर्योदय के बाद तक सोने वाले गृहस्थी के घर में अशांति रहती है तो विद्यार्थी का मन विद्यार्जन करने में नहीं लगता है। जैसे हम किसी घर आने वाले मेहमान का स्वागत सुबह जल्दी उठकर साफ सफाई करके करते हैं। उसी प्रकार हर व्यक्ति को सूर्यनारायण के आगमन से पहले उठकर स्वागत करना चाहिए। क्योंकि सूर्यदेव भी तो मेहमान बनकर उजाला लेकर आते हैं।

उसका जीवन निरर्थक है जो भी प्रभु की भक्ति न करे.....

शिव विश्वास और माता पार्वती श्रद्धा हैं। ध्रुव चरित्र सुनाते हुए कान्हा जी महाराज ने बताया कि भगवान की भक्ति के लिए धन वैभव जाती पाती कुल ज्ञान दिखावा की आवश्यकता नहीं है भगवत प्राप्ति के लिए हृदय में विशुद्ध प्रेम की आवश्यकता है परमात्मा आडंबर में नहीं परमात्मा प्रेम से मिलता है। पूज्य कान्हा जी के महाराज के साथ वृंदावन से पधारे भजन मंडली के गायक भोले शास्त्री, मोहनलाल जी, किशन, राजा, शशांक व वशिष्ठ ने चली जा रही है उम्र धीरे धीरे...तेरा मेरा प्यार कभी ना बदले...

क्षत्रिय मारवाड़ी माली समाज हरदा की मीटिंग सम्पन्न हुई

नर्मदा समय, कुलदीप राजपूत

हरदा। क्षत्रिय मारवाड़ी माली समाज हरदा छात्रावास के नवीन निर्माण कार्य हेतु समाज की मीटिंग हरदा छात्रावास में संपन्न हुई । जिसमें निर्माण कार्य करने हेतु शिव नारायण भाटी हरदा भुन्नास वालों ने अपने पिताजी स्वर्गीय श्री लखन लाल जी भाटी की स्मृति में 51000 रुपए की राशि एवं बद्री प्रसाद जी सांखला द्वारा 5100 रुपये राशि छात्रावास निर्माण कार्य हेतु दान दी गई। समाज के अध्यक्ष ओम प्रकाश सोलंकी द्वारा दानदाताओं का आभार प्रकट किया । नवीन निर्माण कार्य का ठेकेदार से निर्माण कार्य हेतु मटेरियल सहित अनुबंध किया गया जिसका आज से कार्य प्रारंभ किया गया। 31 मार्च 2023 तक संपूर्ण कार्य पूर्ण करने का करार किया गया बैठक में देवी सिंह सांखला, नन्हेलाल भाटी, शिवप्रसाद भाटी, जमुना प्रसाद टांक, राकेश भाटी ओम प्रकाश कालपीएवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

जिले में पहली बार यूवी डांस केपीएस के वार्षिक उत्सव में हुआ

नर्मदा समय, कुलदीप राजपूत

टिमरनी। नॉलेज पब्लिक स्कूल टिमरनी में वार्षिक उत्सव मनाया गया यह वार्षिक उत्सव दिवंगत अभिनेताओं राज कपूर शम्मी कपूर राजकुमार श्रीदेवी अमजद खान दिव्याभारती, ऋषि कपूर लताजी मंगेशकर, माइकल जैक्सन जैसे दिग्गज कलाकारों की याद में मनाया गया । इस बार वार्षिक उत्सव की थीम लीजेंडरी यूफोरिया थी। इस वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमशंकर रघुवंशी फाउंडेशन की अध्यक्षा विनीता रघुवंशी तथा रंगमंच के प्रसिद्ध कलाकार तथा इंटेलेक्चुअल पब्लिक वेलफेयर एंड ट्रेनिंग फॉर आर्ट सोसायटी के संचालक संजय तेंगुरिया अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस वार्षिक उत्सव की बच्चों द्वारा दिवंगत अभिनेताओं के सुपरहिट गानों पर प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजन अतिथि विनीता रघुवंशी संजय तेंगुरिया तथा संस्था के संचालक अंकुश

अग्रवाल, संचालिका चंचलीका अग्रवाल, प्राचार्य जेनिस तिवारी, उप प्राचार्य वैभव जाधव द्वारा पूजन करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य विनीता रघुवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महत्व के बारे में बताया । वही क्षेत्र के जाने-माने रंगमंच कलाकार संजय तेंगुरिया जी ने पढ़ाई के साथ-साथ थिएटर में भी बच्चों की रुचि के विषय पर चर्चा और उसके को महत्व बताया। इस कार्यक्रम में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी क्लास में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी तथा सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि तथा संस्था के संचालक द्वारा अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। पिछले वर्ष 10वीं व 12वीं के सीबीएससी नतीजे में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी कक्षा 12वीं में सूभीषि गौर तथा कक्षा दसवीं में ईशा दोगने द्वारा सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर इन्हें सम्मानित किया गया । विद्यालय में इस वर्ष विद्यार्थियों ने खेलों में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया इस वर्ष विद्यालय के 7 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए खिलाड़ियों ने नेटवाल तथा एथलेटिक्स में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। संपूर्ण वार्षिक उत्सव का मंच संचालन विद्यालय के ही विद्यार्थी द्वारा किया गया इस वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों द्वारा अल्ट्रावॉयलेट लाइट पर शानदार प्रस्तुति दी गई। यह प्रस्तुति जिले में पहली बार नॉलेज पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा दी गई तथा जिले में पहली बार नॉलेज पब्लिक स्कूल के द्वारा अल्ट्रावॉयलेट लाइट का उपयोग वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में किया गया जो की बहुत ही मनमोहक रही।

गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल सूरजगंज में लगा विज्ञान मेला, बाल विज्ञानियों ने मॉडल, पोस्टर, नाटक में समझाए विज्ञान के सिद्धांत

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। दिसंबर के महीने में इतनी गर्मी क्यों लग रही है। सर्दी कहां गई। इस महीने में तो कड़ाके की ठंड होती है। इस साल तेज ठंड क्यों नहीं। गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल सूरज गंज में लगे विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने यह सवाल किए। यह विज्ञान मेला शहर के शासकीय स्कूलों के बच्चों के लिए बेहतर मंच साबित हुआ। इस मेले में कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अनेक गतिविधियों में भाग लिया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब दिए। बाल वैज्ञानिकों के रूप में विद्यार्थियों ने विज्ञान को लेकर अपनी समझ को अनेक रूपों में प्रदर्शित किया। गर्ल्स स्कूल सूरजगंज की कक्षा 10वीं की छात्राओं बुलबुल लामकेचे, आकांक्षा भदौरिया और अंजू भदौरिया ने अपने विज्ञान मॉडल में सूर्य और चंद्रग्रहण को समझाया, शिखा पटेल और सुहानी ने माइक्रोस्कोप की कार्यप्रणाली, कक्षा 11 की छात्रा ऋतु पटेल ने उत्सर्जन तंत्र, कक्षा 10 की छात्रा कांची चौरे ने न्यूटन के थर्ड लॉ पर आधारित संवेग संरक्षण के नियम को समझाया। सीएम राइज स्कूल के छात्र तनवीर और फिरोज ने एटीएम मशीन का मॉडल बनाकर इसके काम करने की तकनीक बताई। उन्होंने इस मशीन से रूपये निकाल कर भी दिखाए। इन मॉडल्स के लिए विद्यार्थियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। विज्ञान मेले का आयोजन विज्ञान संचार के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था सर्च एंड रिसर्च डवपलमेंट सोसायटी द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस अवसर पर मेले की समन्वयक पिंकी बस्तवार, डॉ अनिल सिरवैया सचिव, गर्ल्स स्कूल सूरजगंज के प्राचार्य श्री अखिलेश शुक्ला, विज्ञान की शिक्षिकाएं श्रीमती सिवि सूद, श्रीमती परिणिता पटेल, मंजूला सिंह, श्रीमती भारती वर्मा श्रीदेवी सराठे, जयप्रभा मौर एवं गीत लिल्हारे तथा विशेषज्ञ के रूप में सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. मोनिका जैन उपस्थित थीं। मेले में गर्ल्स स्कूल सूरजगंज के अलावा, शासकीय कन्या उमा वि पुरानी इटारसी, शासकीय सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल, इटारसी तथा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मेहरागांव, इटारसी के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

28 दिसंबर को श्रीराम कथा ज्ञानयज्ञ का समापन, 29 को विशाल भंडारा होगा

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। पोटरखोली स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में श्री राम कथा के छठवें दिन मुंबई से पधारे विदेह महाराज ने भक्तों को कथा का रसपान अपने श्रीमुख से कराया। कथावाचक विदेह महाराज ने भगवान श्री राम एवं माता सबरी की कथा का श्रवण श्रद्धालुओं को कराया । रोजाना कथा सुनने के लिये श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है । इटारसी शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से श्रद्धालु की भीड़ कथा का श्रवण करने पहुँच रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष रविकांत तिवारी, वार्ड नंबर 27 की पार्षद एवं समिति उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा अनिल भदौरिया, रामकुमार ठाकुर के सभी व्यवस्थाओ में अपना महत्वपूर्ण तन मन धन से दे रहे है। कथावाचक विदेह महाराज का फूल मालाओं से स्वागत पार्षद वार्ड 22 एवं सभापति गीता पटेल द्वारा किया गया।समिति की उपाध्यक्ष सीमा भदौरिया द्वारा पार्षद गीता पटेल का स्वागत किया गया।सोमवार की कथावाचक विदेह महाराज द्वारा कथा के सातवें दिवस भगवान श्री राम एवं हनुमान जी की कथा रसपान श्रद्धालुओं को कराएंगे। 28 दिसंबर को श्रीराम कथा ज्ञानयज्ञ का समापन शाम 5 बजे होगा। 29 दिसंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।

संयुक्त व्यापार महासंघ इटारसी का नववर्ष मिलन समारोह 7 जनवरी रविवार को

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। इटारसी के सबसे बड़े व्यावसायिक संगठन संयुक्त व्यापार महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नर्वबर्ष मिलन समारोह 7 जनवरी 2023 को साई कृष्णा रिसोर्ट में आयोजित किया जायेगा। आयोजन को लेकर संघ के पदाधिकारियों द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वही महासंघ का सदस्यता अभियान भी जोरो पर चल रहा है। जिसमे सदस्यता अभियान के हर क्षेत्र के प्रभारी और सहप्रभारियो द्वारा हर क्षेत्र में जाकर व्यवसायियों को सदस्य बनाया जा रहा है। वही जो पुराने सदस्य है उनका सदस्यता का नवीनीकरण कराया जा रहा है। इस बार महासंघ द्वारा दुकानदार की 100 रु की रसीद काटकर उन्हे सदस्यता का प्रमाण पत्र भी दिया जा रहा है। संघ के सचिव सन्मुखदास चेलानी द्वारा यह बताया गया है। की संयुक्त व्यापार महासंघ व्यवसायियों के हित के लिए काम करने वाली संस्था है। इस बार हमने अभी तक 600 से अधिक सदस्य बनाए है। और इस बार इटारसी के अलावा पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सदस्यता प्रभारी बनाए है। राहुल चैलानी, लकी गुरियानी, अर्जुन गांधी, विनोद कसार, गुड्डू गुप्ता, सुधीर गुप्ता, विशाल अग्रवाल, रोहित चौरसिया, भारत भूषण गांधी, मुकेश खुरानी, आशीष चौधरी, कयूम कुरेशी, मनोहर सुंदरानी, अजय दुबे, बसंत अग्रवाल, कमलेश गोर, योगेश चंदवानी, सोनू साजवान, सुदर्शन अग्रवाल, संतोष मंधानी, दीपक पटवा, अक्षय संतानी, शशांक जैन, अर्जुन भोला ,गौरव चौधरी, उमेश गौर,रामानुज मौर्य, मुन्ना अठोतरामोनू सेत्पलानी, कैलाश रैकवार, अजय लालवानी और हरीश अग्रवाल को सहसदस्यता प्रभारी मनोनीत किया गया है।

विद्यार्थियों ने जाना समाचार पत्र का इतिहास एवं प्रभाव के बारे में

नर्मदा समय समाचार पत्र का हुआ विमोचन

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। समाचार पत्र दिन-प्रतिदिन अपने बढ़ते हुए महत्व के कारण सभी क्षेत्रों में बहुत ही प्रसिद्धि प्राप्त कर रहे है। विद्यार्थियों के लिए समाचार पत्र पढ़ना बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सभी के बारे में सामान्य जानकारी देता है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए रानी अवंती विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल द्वारा विद्यार्थियों को समाचार पत्र के इतिहास एवं उनके सकारात्मक प्रभावों को बताया गया। साथ ही नर्मदा समय संपादक डॉ प्रताप सिंह वर्मा द्वारा नर्मदा समय समाचार पत्र को विद्यार्थियों के बीच विमोचित किया गया। उन्होंने बताया कि समाचार पत्र विद्यार्थियों के लिए क्यों आवश्यक है क्योंकि उनकी किसी भी सरकारी या गैर-सरकारी नौकरी के लिए तकनीकी या प्रतियोगी परीक्षा को पास करने में समाचार पत्र मदद करता है। समाचार पत्र समाज और देश में हो रही घटनाओं पर आधारित एक प्रकाशन है । जिससे हमें- घटनाएँ, खेल-कूद, व्यक्तित्व, राजनीति, विज्ञापन की जानकारियाँ प्राप्त होती है। यह प्राय: दैनिक होते हैं लेकिन कुछ समाचार पत्र साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं छमाही भी होतें हैं। अधिकतर समाचार पत्र स्थानीय भाषाओं में और स्थानीय विषयों पर केन्द्रित होते हैं।

समाचार पत्र का इतिहास

भारत में ब्रिटिश शासन के द्वारा अखबारों की शुरुआत मानी जाती है। लेकिन उसका स्वरूप अखबारों की तरह बिल्कूल नहीं था । वह बस एक पन्ने का सूचनात्मक पर्चा सा था। पूर्णरूपेण अखबार बंगाल से 'बंगाल-गजट' के नाम से वायसरायहिक्की द्वारा निकाला गया था। शुरुआत में अंग्रेजों ने अपने फायदे के लिए इस अखबारों का इस्तेमाल किया। तब सारे अखबार अंग्रेज़ी में प्रकाशित हो रहे थे। जिसके कारण बहुसंख्यक लोगों तक खबरें और सूचनाएँ नहीं पहुँच पाती थीं। खबरों को काफ़ी तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जाता था । जिसके चलते अंग्रेज़ी सरकार के अत्याचारों की खबरों को दबाया जा सके। उस समय अंग्रेज़ों की क्रूरता

काफी हद तक बढ़ गई थी। सिपाही किसी भी क्षेत्र में घुसकर मनमाना व्यवहार कर रहे थे। वह जहां भी जा रहे थे वहाँ अपना आतंक फैलाते रहते थे। शासन उनका होने के कारण उन पर ना तो मुकदमे हो रहे थे और न ही उन्हें कोई दंड ही दिया जा रहा था। इन सब परिस्थितियों को लोग खामोशी से झेलते आ रहे थे। इस दौरान भारत में 'द हिंदुस्तान टाइम्स', 'नेशनल हेराल्ड', 'पायनियर', 'मुंबई-मिरर' जैसे अखबार अंग्रेज़ी में निकलते थे । जिसमें उन अत्याचारों का उल्लेख कम होता था। इन अँग्रेजी पत्रों के अतिरिक्त बंगला, उर्दू आदि में पत्रों का प्रकाशन तो होता रहा, लेकिन उसका दायरा सीमित था। उसे कोई बंगाली पढ़ने वाला या उर्दू जानने वाला ही समझ सकता था। ऐसे में पहली बार 30 मई 1826 को हिन्दी का प्रथम पत्र 'उदंतमार्तंड' का पहला अंक प्रकाशित हुआ।

समाचार पत्र का सकारात्मक प्रभाव

समाचार पत्र समाज के लोगों को सकारात्मक रुप से प्रभावित करता है क्योंकि आज के समय में सभी लोग देश की सामयिक घटनाओं को जानने में रुचि रखने लगे हैं। समाचार पत्र सरकार और लोगों के बीच जुड़ाव का सबसे अच्छा तरीका है। यह लोगों को पूरे संसार की सभी बड़ी व छोटी खबरों का विवरण प्रदान करता है। यह देश के लोगों को नियमों, कानूनों और अधिकारों के बारे में जागरूक बनाता है । समाचार पत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण होते हैं कुछ लोगों में समाचार पत्र को प्रत्येक सुबह पढ़ने की आदत होती है। वे समाचार पत्र की अनुपस्थिति में बहुत अधिक बेचैन हो जाते हैं। समाचार पत्रों में सामाजिक मुद्दों, मानवता, संस्कृति, परम्परा, जीवन-शैली, ध्यान, योगा आदि जैसे विषयों के बारे में कई सारे अच्छे लेख संपादित होते हैं। यह सामान्य जनता के विचारों के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है और बहुत से सामाजिक तथा आर्थिक विषयों को सुलझाने में हमारी सहायता करता है। इसके साथ ही समाचार पत्रों के द्वारा हमें राजनेताओं, सरकारी नीतियों तथा विपक्षी दलों के नीतियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त होती है यहीं कारण है कि वर्तमान समय में समाचार पत्र को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी कहा जाता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में डॉक्टरों की कमी को लेकर व्यापारी संघ शाहपुर ने सौंपा ज्ञापन

नर्मदा समय नवील वर्मा

शाहपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में डॉक्टरों की कमी के चलते व्यापारी संघ शाहपुर द्वारा एक ज्ञापन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिया गया ज्ञापन में मांग की गई कि जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर एवं कंपाउंडर की व्यवस्था की जाए वर्तमान में डॉक्टरों की कमी के चलते दूर ग्रामों से आए लोगों का इलाज नहीं हो पा रहा है जिससे मजबूरी में लोग झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जा रहे हैं ज्ञापन में कोरोना का असर भी धीरे-धीरे आ रहा है इसके लिए टेस्टिंग एवं अन्य सुविधाओं की मांग भी की गई है ज्ञापन देने वालों में व्यापारी संघ अध्यक्ष दिलीप गुप्ता कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता धर्मेंद्र शुक्ला उपेंद्र वर्मा सिमु जैन राहुल साहू आशीष मालवीय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सरपंच पुत्री ने लगाया झूठी शिकायत करने का आरोप

थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन, कार्रवाई की मांग

नर्मदा समय, नवील वर्मा

शाहपुर। शाहपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बानाबेहड़ा में सरपंच पुत्री रामबाई मर्सकोले ने भौरा पुलिस चौकी प्रभारी इरफान कुरैशी को आवेदन सौंपकर दबंगों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। चौकी प्रभारी को सौंपे आवेदन के माध्यम से रामबाई मर्सकोले ने बताया गांव के दबंग उपसरपंच पति अशोक मालवीय, डालू मालवीय, मोहन यादव, मधू यादव सचिव द्वारा मानसिक रूप से परेशान करते हुए उनकी झूठी शिकायत की जा रही है। अशोक मालवीय द्वारा आदिवासियों को बहला फुसलाकर झूठी शिकायत करवाई जा रही है। उन्होंने बताया पंचायत में 25 काम अधूरे है, जिनकी जानकारी सचिव द्वारा नहीं दी जा रही है, न कोई हिसाब बताया जा रहा है। काम अधूरे होने के कारण नया काम का मस्टरोल जनरेट नहीं पा रहा है। झूठे आरोप लगाते हुए सरपंच की पुत्री के कारण डीसी चालू नहीं करने की शिकायत करवाई जा रही है।

नर्मदा समय
बुलन्द आवाज, देश का आगाज
नर्मदा समय वेबपोर्टल एवं सप्ताहिक समाचार पत्र हेतु देश-प्रदेशों के सभी जिलों, तहसीलों ब्लॉक स्तर संवाददाता की आवश्यता है। प्राथमिकता उन्हीं को मिलेगी जिनके पास स्मार्ट फोन हो और अपना वाहन हों। अनुभवी लोगों को सर्वोच्च वरीयता मिलेगी।
विज्ञापन, लेख, रचनाएं हेतु संपर्क :
कार्यालय- लाइफ लाइन भवन, शिवराजपुरी कालोनी, इटारसी, जिला नर्मदापुरम म प्र
M 7974372722

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, ज़ोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नोट:- सभी विवादों के निराकरण के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं-: 7974372722